GSEB Std 9 Hindi Textbook Solutions Chapter 13 नीति के दोहे

Std 9 GSEB Hindi Solutions नीति के दोहे Textbook Questions and Answers

स्वाध्याय :

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-एक वाक्य में लिखिए :

प्रश्न 1. रहीम के अनुसार संपत्ति का महत्त्व क्या है?
उत्तर :
रहीम के अनुसार संपत्ति का यह महत्त्व है कि उससे दूसरों का भला किया जा सकता है।

प्रश्न 2. छोटों का तिरस्कार क्यों नहीं करना चाहिए?
उत्तर :
छोटों का तिरस्कार नहीं करना चाहिए, क्योंकि जो काम वे करते हैं, वह बड़े नहीं कर सकते।

प्रश्न 3. सुई का काम कौन नहीं कर सकता?
उत्तर :
सुई का काम तलवार नहीं कर सकती।

प्रश्न 4. उत्तम प्रवृत्ति का क्या लक्षण हैं?
उत्तर :
उत्तम प्रकृति का यह लक्षण है कि बुराई के बीच रहकर भी वह अपनी अच्छाई नहीं छोड़ती।

प्रश्न 5. सीसे क्यों नहीं चाहिए?
उत्तर :
प्रश्न का कुछ अर्थ नहीं निकलता। अत: इस प्रश्न का उत्तर नहीं दिया गया।

प्रश्न 6. माँगने के बारे में रहीम क्या कहते हैं.?
उत्तर :
रहीमजी कहते हैं कि मांगना मृत्यु के समान है।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए :

प्रश्न 1. वृक्ष और सरोवर के उदाहरण से रहीम हमें क्या समझाते हैं.?
उत्तर :
वृक्ष अपने फल स्वयं नहीं खाते। सरोवर अपना पानी स्वयं नहीं पीते। रहीमजी कहते हैं कि हमें भी

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

इनसे प्रेरणा लेनी चाहिए। अपनी जमा की गई धन-संपत्ति का उपयोग हमें केवल अपने सुख के लिए नहीं करना चाहिए। हमें उसके द्वारा दूसरों की भलाई भी करनी चाहिए।

प्रश्न 2. रहीम कड़वे मुखवाली मनुष्य की प्रकृति को कैसे समझाते हैं?

उत्तर :

कड़वे मुखवाले मनुष्य की प्रकृति कड़वी ककड़ी के समान होती है। कुछ लोगों की जबान कड़वी होती है। वे हमेशा कड़वे बोल हो बोलते हैं। वे यह नहीं सोचते कि उनकी कड़वी वाणी सुननेवालों को कितनी चोट पहुंचाती है। ऐसे लोगों का मुंह ककड़ी के मुंह के समान होता है। कटुवाणी बोलकर दूसरे के दिल को चोट पहुंचाना अपराध है। इसलिए ककड़ी का मुंह काटकर उस पर नमक लगाने जैसी सजा ककड़ी को दी जाती है, वैसी ही सजा इन कड़वी जबानवालों को भी देनी चाहिए।

प्रश्न 3. 'लाख प्रयत्न करने पर बिगडी हुई बात नहीं बनती' - ऐसा रहीम किस उदाहरण से समजाते हैं. ?

उत्तर :

किसी कारण से बात बिगड़ जाए तो उसे सुधारना बड़ा मुश्किल होता है। इसे समझाने के लिए रहीमजी फटे हुए दूध का उदाहरण देते हैं। फटे हुए दूध से जमाए गए दही में मक्खन बनाने की शक्ति समाप्त हो जाती है। फिर उसे कितना भी मथा जाए, उसमें से मक्खन नहीं निकलता। रहीमजी कहते हैं कि, बिगड़ी हुई बात फटे हुए दूध जैसी होती है। उसे सुधारने के लिए कितने भी प्रयत्न किए जाएं, वह नहीं सुधर पाती।

3. आशय स्पष्ट कीजिए :

प्रश्न 1. 'रहिमन देखि बड़ेन को, लघु न दीजिए डारि।'

उत्तर :

लोग प्रायः बड़ों को महत्त्व देते हैं। समाज में धनीमानी लोगों को आदर-सम्मान दिया जाता है। गरीबों को लोग उपेक्षा की दृष्टि से देखते हैं। उपयोगिता की दृष्टि में देखें तो गरीब लोगों का काम भी कम महत्त्व का नहीं होता। किसान, मजदूर तथा छोटे काम करनेवाले जो देश की बहुमूल्य सेवा करते हैं, वह ऊंचे तबकेवाले नहीं कर सकते। इसलिए हमें बड़े लोगों को मान देते समय निम्नस्तर के लोगों की उपेक्षा नहीं करनी चाहिए।

प्रश्न 2. चंदन विष व्याप्त नहीं, लपटे रहत भुजंग।

उत्तर :

चंदन के पेड़ पर साँप लिपटे रहते हैं। इसके बावजूद चंदन का पेड़ साँपों के विष से प्रभावित नहीं होता। साँपों के संग से उसकी सुगंधि में कोई अंतर नहीं पड़ता। इसी प्रकार उत्तम स्वभाव के लोग बुरी संगति में रहकर भी उससे प्रभावित नहीं होते। वे अपने गुणों से अपराधियों को प्रभावित करके उनका जीवन बदल देते हैं।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in